ॐ काफिरो की कुरान ॐ

भूमिका :- काफिरो की कुरान का लेखक काल है. जो इस पर चलेगा वो सबसे बड़ा काफिर होगा

भाग 1

1. हे मनुष्यों तुम केवल ॐ को मानो जो सारे जहाँ का ईश्वर है (40:15 यजुर्वेद)
2. हे मनुष्यों ॐ की ही संध्या करो और ॐ से ही मदद मांगते है
3. हमें ॐ सीधा मार्ग दिखाए

भाग 2

1. वेद ही ईश्वरीय ज्ञान है इसमें कोई शक नही है
2. जो लोग वेद को मानते है. और इसको विचार कर इस पर चलते है वो मनुष्य (वेद का आदेश है :- मनुष्य बनो) आर्य कहलाते है
3.जो वेद ज्ञान ॐ ने तुमको दिया है. वो इससे पहले भी दिया गया था. ये ज्ञान सदा ॐ देता ही है
4. जिसने इस ज्ञान को नही माना वे दस्यू कहलाए. (यहाँ पर मानने से अर्थ वेद के ज्ञान को मानना और इस पर अमल करने से है)
5. जो लोग ॐ पर विश्वास नही करते और इसके ज्ञान पर. उन लोगो ने अपने दिलो को खुद बंद कर रखा है
6. ॐ ने सभी को अपने कर्म के लिए छुट दे रखी है. लेकिन कर्म फल के लिए सभी ॐ के अधीन है
7. हे मनुष्यों केवल ॐ का ही ध्यान करो. क्योंकि इसी ने इस सारे जहाँ को बनाया है. यही सारे जहाँ का मालिक है.
8. ॐ ही है जिसने ये जहाँ बनाया है. ॐ ने ही तुम्हारे लिए फल, अन्न, पानी दिया है

9. वेद ही है ॐ का ज्ञान. इसके अलवा जो भी किताब दवा करती है ईश्वरीय का वो सब झूठे है उनको धूर्तो ने खुद ही बनाया है. अपनी जबान मे

10. वेद ही है जो किसी एक भी समुदाय की भाषा मे नही है. क्युकी अगर ॐ ऐसा करता तो उस पर पक्ष पता का आरोप लगेगा. की तुमने केवल चंद लोगो की ही भाषा मे इसे उतारा है.

11. वेद की भाषा वैदिक संस्कृत है. जो किसी भी समुदाय की भाषा नही है

12. जो कोई वेद पर चलेगे वे सदा उन्नति पाएगे. मोक्ष का और कोई मार्ग नही है. इसके अलवा

13. वेद मे है शराब मत पियो, चोरी मत करो, जुवा मत खेल, सभी एक दूसरे से प्रति पूर्वक व्यव्हार करो , मासूमों को मत मार चाहे वे मासूम जानवर ही हो, औरतो का सम्मान कर

14. भला जो इन बातो ना माने और बुराई की और जाए. उनके लिए तो वेद के अनुसार जो भी क़ानून है उनको उसके अनुसार सजा मिलनी ही चाहिए

15. जो कोई फसाद फैलाएगा. उसको कर्म फल के अनुसार जरूर सजा दी जाएगी. पाप कभी भी माफ नही किये जाते है.

16. ॐ ही है जिसने ये सारा जहाँ बनाया है. इसने ही ये सारे ब्रह्माण्ड बनाए है. वेद का ज्ञान सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड के लिए है.

17. हे मनुष्यो तुम इस ज्ञान को सब और फेलाओ और लोगो का कल्याण करो.

18. जो ॐ से इंकार करते है. कह दो उनसे की ब्रह्म का निज नाम ॐ ही है.

19. ॐ ने तुम्हे गाय दी. और उस गाय के दूध का कुछ हिसा तुम्हारे लिए और कुछ बछड़े के लिए है.

20. उस गाय को जो भी मारे उसे तुम गोली से उड़ा दो. क्युकी जीव हत्या नही करनी चाहिए

21. कुछ पाप अगर भूलवस हो भी जाए तो जरुर आत्मग्लानि से और पुण्य करने और ये संकल्प हो की आगे से ऐसा नही होगा. तो वो किया पाप जरूर माफ होगा

22. लेकिन तुमने जानबूझ कर किया तकफील दी तो तुम्हारे लिए कोई माफ़ी नही है

23. हे मनुष्यों तुमने नही जाना की जीव हत्या से मनस तत्व प्रभवित होता है. पेन वेव निकलती है. जो की बाड़ भूकंप का करना है. लेकिन फिर भी तुम दोष मुझे देते हो.

24. हे मनुष्यों सब कर्मफल सिद्धांत के अनुसार ही होता है.

भाग 3

1. हे मनुष्यों तुम मुझ ॐ ही का ध्यान करो. जो की सारे का मालिक है.

2. ॐ आँख का विष्य नही है. जिससे आँख देखती वो ॐ है. ॐ ही है जो हर जगह है और सभी और व्याप्त है चारो और इसी ने ही ये जहाँ बनाया है.

3. ॐ ने तुम्हारे लिए नियम बनाए है. ताकि सब सभ्य से रहे. प्रकृति से ताल मेल बना कर चले. लेकिन जो नुकसान पहुंचेगा पर्यावरण को तो वो सारी मानवता को नस्ट करने वाला होगा.

4. बराबर वालो से , बड़ो से , छोड़ो से तुम प्रतिपूर्वक व्यवहार करो.

5. जो कोई भी वेद की आज्ञा के विरुद्ध जाए. और वेद व वेदा अनुकूल न मान विपरीत माने तो उसको तुम सजा जरूर दो. जो तुम ना दे सके तो भी वो मुझसे नही छुप सकता.

6. अपनी घर की औरतो को पढ़ाओ लिखाओ. वो भी समाज के कल्याण मे अपना योगदान देवे.

7. हे मनुष्यों तुम ब्रह्मचर्य का पालन करो, पढ़ो,फिर ही विवाह करो. तुम केवल संतान की इच्छा रख कर ही sex करो.

8. Sex मे दोनो की मर्जी हो कोई जोर जबरदस्ती ना हो.

9. जो करेगा जबरदस्ती तो उसके लिए तो मौत ही सजा है.

10. अगर बुराई तुम पर हावी हो तो सब्र करो. तुम वेद के मार्ग पर चलते रहो. लोगो को भी इससे जोड़ो.

11. यदि तुम्हे लगे की कोई तुम्हे मारदेगा या तुम्हारे औरतो जनवारो को खत्म कर देगा. तो तुम अपने हथियार लेकर उनको काट डालो.

12. जो कोई भी वेद का अपमान करें. ॐ का अपमान करे उसको तुम कभी मत छोड़ो.

13. हे मनुष्य तुम किसी मासूम को मत मारो. लेकिन जो कुटिल हो. मांस खाए. औरतो की इज्जाज ना करें. जो इसे लोग मनुष्य कहलाने के लायक नही है. तुम उनको खतम कर डालो

14. बुराई का चाहे वो अंदर अद्यात्मिक हो या बाहरी उनको खत्म करने मे कोई दोष नही.

15. हे मनुष्य ॐ तुम्हे आदेश देता है. बुरे लोगो को जीने का हक़ नही है.

भाग 4

1. ॐ ही है इस सारे जहाँ का मालिक. इसी ने सब कुछ बनाया है.

2. तुम इसके अलवा किसी और की संध्या करो ये ठीक नही है

3. ॐ का स्पषट आदेश है की ॐ के अवला अन्य को अपना पूर्ण ब्रह्म ना मानो. क्युकी जो कोई भी प्रकृती अर्थात मूल कण को चेतन मानता है वो मुर्ख ही है

4. ब्रह्म, पूर्ण ब्रह्म, ईश्वर, कवि, शिव, विष्णु सब मेरे ही नाम है. मेरा निज नाम ॐ है

5. जो लोग मेरे साथ किसी और को जोड़ते है. मेरे नाम के साथ किसी और को शामिल करते है. मेरे अलावा किसी और के आगे जुकते है. जैसे क़ब्र, कोई इमारत, पत्थर जैसे की संगे असवद,कोई फोटो को पूज्य मानते है, मूर्ति मे ही मुझे मान पूजते है.
वो सब घोर अन्धकार मे जाएगे

6. उनको पता है जिनके आगे वो झूकते वो ॐ नही है. लेकिन फिर भी वो जड़ के आगे जुकते है.

7. मै ब्रह्म ॐ सब जगह हु मुझे एक विशेष जगह ना मानो.

8. हे मनुष्यों लोगो ने अपनी तरफ से किताबें बना लि है . उनको खुदा या god की किताब कहते जो केवल झूठ है.

क्योंकी मेरा ज्ञान किसी खास लोगो की जबान मे नही होता है.ये तो केवल वैदिक संस्कृत मे ही होता है. जिसके अर्थ जो जानने के लिए आत्मा शुद्ध होनी जरुरी है

9. कोई पंचम वेद कहता है, तो कोई कुरान तो कोई बाइबल कहता है मेरा ज्ञान.
लेकिन मेरा ज्ञान तो केवल वेद है.

10. जो नित्य ज्ञान है वो वेद वो मेरा ज्ञान और जो मंत्र है वो मेरा ज्ञान है

11. जबकि और किताबों मे इतिहास की बाते है जो की नित्य नही है.

12. मेरा ॐ का ज्ञान नित्य है अनित्य नही है

13. करोडो साल पहले भी ये ज्ञान था. और आज भी है. कभी हो कभी ना हो या मिट जाए ऐसा मेरा ज्ञान नही है.

14. जो लोग ये मानते है की मक्का मोहम्मद मे हुवा वे झूठे है. क्युकी मक्का एक रेगिस्तानी इलाका है. जब की जहाँ पर मोहम्मद हुवा वहा पर हरियाली थी

15. जो भी इसा और मोहमद को पुण्य आत्मा बताता है वो लोग धूर्त है. भला मांस खाना कोनसे धर्म का काम है?

16. जो लोग लोग माँस से अपना पेट भरते है उनको यथा योग्य दंड दो

भाग 5

1. हे मनुष्यों ॐ कभी किसी के पापो को माफ नही करता.

जो ऐसा मानो की माफ करता है. तो फिर पापी ने जिसके साथ पाप किया. और उस पापी को मै माफ कर दू तो जिसके साथ पापी ने पाप किया उसके साथ तो और भी बुरा होगा.

2. भला पाप माफ करने वाला न्यायधीश अच्छा होगा की बुरा?

3. हे मनुष्यों जो कहते है की पाप माफ होंगे वो झूठ बोलते है.

4. हे मनुष्यों जो अपने ईश्वर को भूल चुके है ॐ के अलावा किसी और को अपना ईश्वर मानते है उनको जीने का कोई हक़ नही है. क्युकी वे लोग केवल बुराई ही करते है

5. तुम ॐ के अलवा किसी और को मत मानो. जो तुमहे किसी और को खुदा मानने को कहते है वो झूठे है

6. मेने वेद मे ये आदेश दिया है की केवल मेरा ॐ ही ध्यान करो.

7. मेरे अलावा किसी और की बात को ईश्वरीय ना मानो

भाग 6

1. कुरान के लोग अल्लाह के साथ फरिसातों और मोहम्मद को मानने के लिए कहते है.

2. ऐसे लोगो से तुम कह दो की ईश्वर के अलावा या उसके साथ किसी और को मानने की जरूरत नही है. केवल ॐ को मानो और किसी को नही. ये ही सच्चा एकेश्वरवाद है

3. तुम उनसे (अन्य लोग जो किसी और को खुदा मानते है) कह दो की ॐ की नजर मे केवल सत्य सनातन वैदिक धर्म ही सच्चा धर्म है. और कोई धर्म नही है

4. तुम सब से प्रीति रखो लेकिन तो दुस्ट हो उनके साथ कोई सम्बन्ध ना रखो. उनको तुम आर्य बनाओ तभी तुम उनसे विवाह करो

5. जो भी तुम्हारे महापुरूषों का अपनान करें या मज़ाक बनाए उसको तुम काट दो.

6. लेकिन वो माफ़ी मांग ले और धर्म को मान ले वैदिक बन जाए उनको छोड़ दो.

7. क्युकी वो सुधरना चाहता है. तो उसको मौका जरूर मिले

8. लेकिन जो धर्म मे आये और फिर मजहब मे जाए. और फिर आए फिर दगा दे तो एसो को कभी माफ ना करो

9. वेद ही है जिसमे है मनुष्य बनो.

भाग 7

1.तारीफ ॐ के लिए जिसने ये सारा जहाँ बनाया है जिसने लोगो को सत्य ज्ञान वेद दिया. लेकिन कुछ लोग ॐ के अलावा कीसी और की इबादत करते है वे लोग सबसे बड़े जाहिल.

2. लोग जन्नति कोठे के लालच मे अपने रब से मूह मोड़ लेते है. और वेद का मज़ाक उड़ाते है वे घोर गुन्हा ही करते है.

3. ॐ ने तुमको जब ज्ञान दिया. जब तुम्हे कुछ नही आता था. लेकिन तुम जब ज्ञानी हो गए तो.

और ही किताब बनाने लगे और उनको खुदा की किताब कहने लगे . है मनुष्यों ऐसे मोमिन, यहूदी, ईसाई से कह दो वो झूठे है

4. जब सब कुछ शांत था तब ॐ ने ही सब और से दुनिया को बनाया. लेकिन फिर भी धूर्त लोग किसी और को मानते है.

संगे असवाद और कब्रों पर जुकते है लेकिन वो ये नही जानते ये केवल गुन्हा ही है.

5. जो कहते है की हम तो केवल अल्लाह को मानते वो ही सब है. तो कह दो उनसे की तुम झूठे हो. वेद मे अल्लाह का नाम तक नही है. और तुम लोगो मे बिना मोहम्मद को माने काम नही चलता केवल एक अल्लाह से.

6. वो लोग फरिश्तो को मानते है और सोचते है की फ़रिश्ते अल्लाह का काम करते है. लेकिन उनसे कह दो की ईश्वर सर्वशक्तिमान है. ॐ को अपने काम करने के लिए किसी और की जरुरत नही है. वो सब तरफ है. वो खुद अपना काम करता है इसीलिए सर्वशक्तिमान है

भाग 8

1. हे मनुष्यों ॐ सबसे दायलु है. दोषी को कठोर सजा देकर अपनी दया दिखाता है ताकि दोषी दुबारा वो काम ना करें

2. हे मनुष्य तुम ॐ को ही जानो और गुणों को जानकर अपने जीवन मे धारण करो.

3. ॐ ने ही तुमको इस धरती से पैदा किया है अर्थात शुरुआत मे तुम धरती से ही युवावस्था मे बाहर आए. एक नही दो नही बहुत से मनुष्य उस समय धरती से हुवे. तभी तो सब का चेहरा आकार अलग अलग है.

4. हम ही ने ये दुनिया बनाई और फिर भी बनावे गे. ये अनादि है

5. ईश्वर, प्रकृति, जीव तीनो अनादि ही है.

6.ॐ व वेद मंत्र से प्रकति मे हालचल होती है और दुनिया बनती है. और जीवत्मा कर्म अनुसार जन्म लेते है

7. ये चक्र सदा से है और चलता रहेगा.

8. मोक्ष का केवल एक ही सत्य मार्ग है वो वेद है..

9.ॐ के आलावा किसी और पर ईमान लाने की जरुरत नही है . ना फ़रिश्तो को मान जो की एक झूठ है. ना ही किसी मोहम्मद को मान

10. तू कब्रों को पूजना छोड़ और एक ॐ को ही मान. ये हि है जो सब का है.

11. और जो बुरे लोग वेद के अनुकूल बातो को ना मान मन की करते है. वो लोग राक्षस, मलेछ, दस्यू, कहलाते है.

12. ऐसे अताताई की जल्द से जल्द खत्म कर डालो

13. और जो सुधर जाए तो उसको अपनालो.

14. वो लोग जो इंकार करते है उनके लिए केवल मौत ही है

भाग 9

1. तुम शांत रहो. अपने मार्ग पर चलो. ये ही सच्चा मार्ग है.

2. उनसे कह दो क़ब्र और उन पत्थर को मानो जो काबा मे है. लेकिन हम उनको ना मानते.

3. उनका दीन उनको मूबारक और हमारा धर्म हमें मुबारक

4. जो इनकार करें तुम बस शांत रहो सही मोकी की तलाश करो धर्म को फेलाओ. उनको वेद के मार्ग पर चलाओ. उनका कल्याण करो. उनको अंधेरे मे जाने से बचाओ

5. तुमने किसी एक को आर्य बनाया तो तुमने उसकी आने वाली सारी पूसते सुधार दी जो की धर्म का काम है.

6. तुम एक साथ रहो एक दूसरे का सुख दुख मे साथ दो.

7. कचरा ना फेलाओ. औरतो और पुरुष को सब बराबर के अधिकार है.

8. लोगो का कल्याण करो. पानी ना बर्बाद करो. भोजन का सम्मान करो.

9. धर्म मे ही रहो उसमे लगे रहो.

10. ज्ञान विज्ञान को बढ़ाओ और उन्नति करो. परन्तु प्रकृति के अनुकूल ही वो सब काम हो

भाग 10

1. पुराणों मे मिलावट हुई है. रामायण और महाभारत मे भी ये इतिहास की पुस्तक है.मिलावट संभव है.

2. क़ुरान मे भी रजम की आयत गायब है
वो आयत जिसमे शादी सुदा औरत और मर्द जीना करें तो पथर से मारो.

3. इसको चाहे मोहम्मद ने ना लिखा या ना लिकवाया परंतु फिर भी आयत तो गायब है ही.

4. काबा भी गलत जगह पर है. सही जगह पेट्रा थी

5. मुस्लिम, ईसाइयो से बेर नही. लेकिन इस्लाम और ईसाइयत की खैर नही.

6. इनकी किताबों मे वेद के विपरीत बाते है. जीव हत्या है. जो की गलत है.

7. इनको प्यार से समझाओ कल्याण की भावना से

8. ना माने तो काट दो. दो और कहो की तुम्हारे पास चुनाव है. या हो सही मार्ग पर आ जाओ या मरो

9. जो आ जाए तो अच्छा. ना आए तो कल्याण की भावना से मार दो.

10. ॐ सबसे दयालु है और मासूम जानवरो को कटते सहन नही कर सकता. इससे अच्छा जो काटे उसको ही काट दो

11. जो नशा करें (दारू, चरस, गांजा) इत्यादि का. और इनको बेचे. चोरी, रेप,
करें उनको वेद के विपरीत काम करने के कारण सजा दो.

भाग 11

1. वो भूले है अपने ईश्वर को तुम नही. ईश्वर का एक सर्वोच्च नाम ॐ हि है.

2. मै हि हु ईश्वर, ब्रह्म, शिव, देवी,

3. उनकी सही हदिशों मे है गजवा ए हिन्द. वो कहते है सिंध तक हि था. पर हमे पता है हिन्द हि सिंध था. और आज भी है.
वो तुम्हारी आँखो मे धूल झोक रहे है. जैसे हि ताकतवर होंगे. कश्मीर, पाक, बंगाल, केरल, हैदराबाद की तरह बाहर.

4. तुम उनकी नजर मे काफिर हि हो तुम्हारी औरते लोंड़िया है क़ुरान मे

5. वेद के अलवा और कोई ज्ञान मेरा नही चार मन्त्र सहिता हि वेद है. वेद का ज्ञान नित्य है.
जो इतिहास हो वो नित्य नही होता.

6. ॐ का झंडा ऊंचा रहे. तुम एक हो ॐ हि है जिसने दुनिया को बनाया

7. क़ुरान, बाइबल, रेपिस्टो ने लिखी है. जो केवल तुमको मार तुम्हारी औरतो से या तो निकाह कर उसी रात रेप जैसे मोहमद ने क्या (बुखारी 371) या फिर लोंड़िया

8. उठो खत्म कर डालो मलेछो को. ये देश शिव का है, पार्वती जी का है. सीता जी और राम जी का.
कोई अरब से आए इस्लामी का नही

9. उठो आर्य बनो और बनाओ

भाग 12

1. इसको काल ने लिखा है. जो भी इसको पढ़ अमल करेगा उसका कल्याण होगा.उसका भला होगा

2. ये काफिरो की कुरान हर काफिर के पास हो और हर काफिर इस पर चले तभी अपना भला कर सकोगे

3. मे काल हु जो औरतो का सम्मान और जो मासूम जीव है उनसे प्यार करता हु